

**PAPER-III**  
**MASS COMMUNICATION & JOURNALISM**

**Signature and Name of Invigilator**

1. (Signature) \_\_\_\_\_  
(Name) \_\_\_\_\_
2. (Signature) \_\_\_\_\_  
(Name) \_\_\_\_\_

Roll No. 

--	--	--	--	--	--	--	--

  
(In figures as per admission card)

Roll No. \_\_\_\_\_  
(In words)

**J 6 3 1 1**

Time : 2 1/2 hours]

[Maximum Marks : 200

Number of Pages in this Booklet : 32

Number of Questions in this Booklet : 19

**Instructions for the Candidates**

- Write your roll number in the space provided on the top of this page.
- Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

**No Additional Sheets are to be used.**

- At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
  - To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
  - Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
- Read instructions given inside carefully.
- One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
- If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
- You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
- Use only Blue/Black Ball point pen.**
- Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

**परीक्षार्थियों के लिए निर्देश**

- पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
- लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।  
**इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।**
- परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
  - प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
  - कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चेक कर लें कि वे पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
- अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
- उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
- यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
- आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
- केवल नीले/काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।
- किसी भी प्रकार का संगणक (केलकुलेटर) या लॉग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।

**MASS COMMUNICATION & JOURNALISM**  
**जनसंचार एवं पत्रकारिता**

**PAPER-III**  
**प्रश्नपत्र-III**

**Note :** This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

**नोट :** यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खंड हैं । अभ्यर्थी इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार दें ।

## SECTION – I

### खंड – I

**Note :** This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

**नोट :** इस खंड में **बीस-बीस** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर लगभग **पाँच सौ (500)** शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. Describe with an example the research method of Narratology. Explain how this method can prove to be a suitable one to analyse the films and TV serials made for Indian audience.

आख्यानशास्त्र (नैरेटोलॉजी) की शोध प्रविधि का सोदाहरण वर्णन कीजिए । इसकी व्याख्या कीजिए कि भारतीय दर्शकों के लिए निर्मित फिल्मों तथा टी.वी. सीरियल्स का विश्लेषण करने में यह प्रविधि किस प्रकार उपयुक्त सिद्ध हो सकती है ।

**OR / अथवा**

Social Media is the newest and the most effective form of dissemination of information. Elaborate your argument for or against the statement taking examples from various web-sites, incidents and happenings.

सोशल मीडिया सूचना प्रसार हेतु नवीनतम तथा सर्वाधिक प्रभावशील माध्यम है । इस कथन के पक्ष या विपक्ष में अपने तर्क की व्याख्या, विभिन्न वेबसाइटों, प्रसंगों तथा घटनाओं का उदाहरण देते हुए कीजिए ।







2. Taking into consideration, the fast corporatisation of cottage and family businesses in India, do you foresee a fundamental change in the ownership pattern of Media Houses in India ?

भारत में कुटीर तथा परिवार व्यवसाय के तीव्र कम्पनीकरण (कॉर्पोरेटाइजेशन) को ध्यान में रखते हुए क्या आप भारत के मीडिया घरानों के स्वामित्व के ढाँचे में एक मूलभूत परिवर्तन का पूर्वानुमान लगाते हैं ?

**OR / अथवा**

“When a journalist is on sale, the whole nation is on sale.” Comment, reason out and argue for or against in the context of the roles played by journalists in the recent scams in the country.

“जब पत्रकार बिकाऊ होता है तब सम्पूर्ण राष्ट्र बिकाऊ हो जाता है ।” देश में हाल में हुए घोटालों में पत्रकारों द्वारा निभाई गई भूमिका के संदर्भ में इस कथन के पक्ष या विपक्ष में टिप्पणी कीजिए, कारण बताइये तथा तर्क दीजिए ।









## SECTION – II

### खंड – II

**Note :** This section contains **three (3)** questions of **fifteen (15)** marks each, to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 marks)**

**नोट :** इस खंड में **पन्द्रह-पन्द्रह** अंकों के **तीन (3)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीन सौ (300)** शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

3. 'The Doordarshan is a sleeping tiger with unmatched reach but is yet to actualize its potential.' Do you agree with this statement ? Discuss.  
'दूरदर्शन अद्वितीय पहुँच वाला सुप्त शेर है परन्तु अब तक यह अपनी क्षमताओं को पूर्णतः कार्यान्वित नहीं कर सका है ।' क्या आप इस कथन से सहमत हैं ? विवेचना कीजिए ।
4. What are the press laws available in India ? Do you think more laws to be enacted for the protection of the Journalists and the people ?  
भारत में उपलब्ध प्रेस कानून कौन से हैं ? क्या आप मानते हैं कि लोगों तथा पत्रकारों की सुरक्षा के लिए ऐसे और भी कानूनों का अधिनियमन होना चाहिए ?
5. Is paid news coverage a new form of advertising ? Argue for or against this new phenomenon.  
पैसा देकर समाचार प्रकाशित कराना क्या विज्ञापन का नया रूप है ? इसके पक्ष या विपक्ष में तर्क दीजिए ।

















**SECTION – III**

**खंड – III**

**Note :** This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 marks)**

**नोट :** इस खंड में **दस-दस (10-10)** अंकों के **नौ (9)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास (50)** शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. What is Media Management ?  
मीडिया प्रबंधन क्या है ?

7. What is cinema verité ? Can it bring in more objectivity to film making ?  
सिनेमा वेरिटे क्या है ? क्या यह फिल्म निर्माण में अधिक वस्तुनिष्ठता ला सकता है ?

8. Define 'Nose for News'. Can we say 'eyes for news' too ?  
'नोज फॉर न्यूज' को परिभाषित कीजिए । क्या हम 'आइज फॉर न्यूज' भी कह सकते हैं ?



10. What is persistence of vision ? How is it useful in cinema and television ?  
‘पर्सिस्टेंस ऑफ विजन’ क्या है ? सिनेमा तथा टेलीविजन में यह किस प्रकार उपयोगी है ?

11. What is knowledge Gap Hypothesis ? Explain the reasons for this gap.  
ज्ञान अन्तराल प्राक्कल्पना क्या है ? इस अन्तराल के कारणों की व्याख्या कीजिए ।

12. Define online media. Will this replace the print media and electronic media ? Discuss ऑनलाइन मीडिया को परिभाषित कीजिए । क्या यह प्रिंट मीडिया तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की जगह ले लेगा ? विवेचना कीजिए ।





14. Describe 'uses and gratification' theory.  
उपयोग तथा परितुष्टि सिद्धान्त (यूजेज एण्ड ग्रैटिफिकेशन थियरी) का वर्णन कीजिए ।

**SECTION – IV**

**खंड – IV**

**Note :** This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

**(5 × 5 = 25 marks)**

**नोट :** इस खंड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है ।

**(5 × 5 = 25 अंक)**

Hypotheses offer researchers a variety of benefits. First, they provide direction for a study. Research that begins without hypotheses offers no starting point; there is no blueprint of a sequence of steps to follow. Hypothesis development is usually the

culmination of a rigorous literature review and emerges as a natural step in the research process. Without hypotheses, research lacks focus and clarity.

A second benefit of hypotheses is that they eliminate trial-and-error research that is, the haphazard investigation of a topic in the hope of finding something significant. Hypothesis development requires researchers to isolate a specific area of study. Trial-and-error research is time-consuming and wasteful. The development of hypotheses eliminates this waste.

Hypotheses also help rule out intervening and confounding variables. Since hypotheses focus research to precise testable statements, other variables, whether relevant or not, are excluded. For instance, researchers interested in determining how the media are used to provide consumer information must develop a specific hypothesis stating what media are included, what products are being tested, for what specific demographic groups, and so on. Through this process of narrowing extraneous and intervening variables are eliminated or controlled. This does not mean that hypotheses eliminate all error in research, however; nothing can do that. Error in some form is present in every study.

Finally, hypotheses allow for quantification of variables. Any concept or phenomenon can be quantified if it is given an adequate operational definition. All terms used in hypotheses must have an operational definition. For example, to test the hypothesis. "There is a significant' difference between recall of television commercials for subjects exposed to high frequency broadcasts," researchers need operational definitions of recall, low-frequency, and high-frequency. Words that cannot be quantified cannot be included in a hypothesis.

In addition, some concepts have a variety of definitions, such as violence. The complaint of many researchers is not that violence cannot be quantified, but rather that it can be operationally defined in more than one way. Therefore, before one can compare the results of studies of media violence, it is necessary to consider the definition of violence used in each study. Contradictory results may be due to the definitions used, not to the presence or absence of violence.

शोधार्थी परिकल्पनाओं से अनेक प्रकार से लाभान्वित होते हैं। प्रथमतः ये अध्ययन को एक दिशा प्रदान करते हैं। परिकल्पना रहित शोध में कोई आरंभिक बिन्दु नहीं मिलता, इसमें अनुसरणीय चरणों के क्रम की रूपरेखा नहीं होती। परिकल्पना विकास सामान्यतः साहित्य की श्रमसाध्य समीक्षा की सर्वोच्च प्राप्ति है तथा यह शोध प्रक्रिया का एक नैसर्गिक चरण है। परिकल्पनाओं के बिना शोध के फोकस तथा स्पष्टता में कमी आती है।

परिकल्पनाओं का दूसरा लाभ यह है कि ये अटकलबाजी और चूक, अर्थात् एक महत्वपूर्ण निष्कर्ष पाने की आशा में किसी विषय की अस्त-व्यस्त छान-बीन वाले शोध का बहिष्करण करती हैं। परिकल्पना विकास शोधार्थियों से अध्ययन के एक विशिष्ट क्षेत्र का पृथक से अध्ययन करने की अपेक्षा रखता है। अटकलबाजी और चूक वाला शोध समयलेवा तथा निरुपयोगी होता है। परिकल्पनाओं का विकास कर इस निरुपयोगिता को हटाया जाता है।

परिकल्पनाएँ दखलंदाजी करने वाले तथा अस्तव्यस्तता फैलाने वाले परिवर्तों के बहिष्करण में सहायता करती हैं। चूँकि परिकल्पनाएँ शोध को सूक्ष्म परीक्षणिय विवरणों की ओर केंद्रित करती हैं, अन्य परिवर्त, चाहे वे संगत हों या असंगत हों, बहिष्कृत कर दिए जाते हैं। उदाहरणार्थ, जो शोधार्थी यह निर्धारित करना चाहते हैं कि उपभोक्ता सूचना प्रदान करने के लिए मीडिया का उपयोग कैसे किया जाता है उन्हें इस बात का उल्लेख करते हुए कि अध्ययन में किस-किस मीडिया को सम्मिलित किया गया है, किन विशिष्ट जनसांख्यिकीय समूहों के लिए किन उत्पादों की जाँच की जा रही है इत्यादि - अवश्य ही एक विशिष्ट परिकल्पना विकसित करनी चाहिए। परिसीमन की इस प्रक्रिया द्वारा असंगत तथा अनावश्यक दखलंदाजी करने वाले परिवर्तों को बहिष्कृत या नियंत्रित किया जाता है। इसका अर्थ यह नहीं है कि परिकल्पनाएँ शोध की सारी त्रुटियों को दूर कर देती हैं, तथापि किसी अन्य प्रक्रिया से भी यह सम्भव नहीं। किसी-न-किसी रूप में त्रुटियाँ प्रत्येक अध्ययन में होती हैं।

अंत में यह कहा जा सकता है कि परिकल्पनाओं द्वारा परिवर्तों का परिमाणन (क्वांटिफिकेशन) किया जा सकता है। यदि एक पर्याप्त कारगर परिभाषा उपलब्ध हो तो किसी अवधारणा या परिघटना का परिमाण निर्धारण किया जा सकता है। परिकल्पनाओं में प्रयुक्त प्रत्येक पद की कारगर परिभाषा अवश्य होनी चाहिए। उदाहरणार्थ, इस परिकल्पना – “उच्च फ्रीक्वेंसी प्रसारण को देखने वाले विभिन्न कोटि के दर्शनों द्वारा टेलीविजन के विज्ञापनों के पुनः स्मरण में महत्वपूर्ण अंतर होता है।” – की जाँच करने के लिए शोधकर्ताओं को पुनः स्मरण, निम्न फ्रीक्वेंसी, तथा उच्च फ्रीक्वेंसी की कारगर परिभाषा की आवश्यकता होगी। जिन शब्दों को ‘क्वांटिफाई’ नहीं किया जा सकता उन्हें परिकल्पना में शामिल नहीं किया जा सकता।

इसके अतिरिक्त, कुछ अवधारणाओं की विभिन्न प्रकार की परिभाषाएँ होती हैं, जैसे हिंसा। अनेक शोधार्थियों की शिकायत यह नहीं है कि हिंसा को क्वांटिफाई नहीं किया जा सकता, बल्कि यह है कि इसे कारगर रूप में एक से अधिक रूप में परिभाषित किया जा सकता है। अतः मीडिया हिंसा के अध्ययन के निष्कर्ष की तुलना करने से पहले प्रत्येक अध्ययन में प्रयुक्त हिंसा की परिभाषा पर विचार करना आवश्यक है। हिंसा होने या न होने के कारण नहीं बल्कि प्रयुक्त परिभाषा के कारण परस्पर विरोधी निष्कर्ष सामने आ सकते हैं।

15. Enumerate at least three benefits that the hypotheses offer.  
परिकल्पना से मिलने वाले कम-से-कम तीन लाभ कौन से हैं ?

16. What type of terms cannot be stated in a hypothesis ? Why ?  
परिकल्पना में किस प्रकार के पदों का उल्लेख नहीं किया जा सकता ? क्यों ?

17. What is operational definition ? Why is it important for the formulation of a hypothesis ?

कारगर परिभाषा क्या है ? परिकल्पना के निरूपण में यह क्यों महत्वपूर्ण है ?

18. Why does a word such as violence yield different findings in different research studies ?

किसी शब्द - जैसे कि हिंसा - से भिन्न-भिन्न शोध अध्ययनों में क्यों भिन्न-भिन्न निष्कर्ष प्राप्त होते हैं ?

19. Why is a hypothesis unable to eliminate all types of errors ?  
परिकल्पना क्यों सभी प्रकार की त्रुटियों को दूर करने में अक्षम होती है ?

**Space For Rough Work**

<b>FOR OFFICE USE ONLY</b>	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation)

Date .....